LOK SABHA

Tuesday, March 26, 1974/Chaitra 5, 1896 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पेट्रोल, मिट्टी का तेल, डीजल तथा गैस के मूल्य

*446. श्री जगन्नाथ राव जोशी : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1969 को पेट्रोल, मिट्टी का तेल तथा डीजल का प्रति लिटर मूल्य तथा भोजन बनाने के काम आने वाली गैस का प्रति किलोग्राम मूल्य कितना था तथा अब कितना है ;

(ख) इनके मूल्यों में शामिल सरकारी शुल्कों तथा करों की प्रतिशतता कितनी है;

(ग) क्या सरकारी करों का अंश समाज के उन कमजोर वर्गों के लिए कम किये जाने का विचार है जो गरीबी के स्तर से नीचे निर्वाह कर रहे हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में योजना की मुख्य बातें क्या हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) and (b). The retail selling prices per litre of petrol, kerosene, high speed diesel oil and cooking gas (per kg.) in Delhi and Bombay as on 1-1-1969 and as at present (with effect from 2-3-74), alongwith the percentage of Central rates of duty and taxes included therein are given below:—

	Retail price		% age of duty and taxes included	
	1-1-1969	2-3-1974	1-1-1969	2-3-1974
	Rs/Ltr.	Rs/Ltr.		
Petrol:				
Delhi	1·02	3·14	68	72
Bombay	0·98	3·19	77	75
Kerosene:				
Delhi	0·50	1·00	46	47
Bombay	0·44	0·91	53	51
High Speed Diesel Oil :				
Delhi	0·83	1·00	67	48
Bombay	0·77	0·97	73	53
Cooking Gas :				
Delhi	1·52	1·75	18·3	19·7
Bombay	1·29	1·47	18·6	21.3

(c) No such proposal is under consideration at present.

(d) Does not arise.

MR. SPEAKER: I have already said thrice in the past that in the case of long answers a statement should be laid on the Table of the House. You please instruct your officers accordingly.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : वास्तव में मैंने जो सवाल किया था वह दिल्ली, बम्बई, मद्रास, कलकत्ता इन चार महानगरों के बारे में किया था लेकिन उत्तर में इस सब को उड़ा दिया गया है। जवाब केवल दिल्ली और बम्बई के बारे में दिया गया है। उस के बारे में भी अगर स्टेटमेंट दे दिया गया होता तो हम को उस का अध्ययन करने का समय मिलता। जब मुझ को कठिनाई आ रही है तब पता नहीं और सदस्य क्या करेंगे।

शासन इस वक्त बात पर जोर देता है कि हम बढ़ते हुए मूल्यों को घटायेंगे, कीमतों को बढ़ने से रोकेंगे, किन्तु इस वक्तव्य से इस बात का पता चलता है कि लागत का जो मूल्य है उसे और प्रत्यक्ष बाजार में जो आता है उसे देखे तथा इस के अन्तर्गत सरकार की तरफ से जो कारभार होता है उस को गिने तो पट्रोल के बारे में समझा जाता है कि आज की स्थिति में जिस का दाम सिर्फ 78 पैसा होता है उस पर 2 रु० 36 पैसे सरकार की वजह से 3 रु० 14 पैसा पेट्रोल का दाम हो जाता है। 1969 में जब पेट्रोल का दाम मुश्किल से 32-33 पैसा होता था उस समय सरकार की ड्यूटी 68 पैसे थी और उस तरह से 1 रु० 2 पैसा उस का दाम होता था। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जहां तक पैट्रोल, डीजल और कैरोसिन का सम्बन्ध है, सरकार जो ड्यूटी लगाती है उस के सम्बन्ध में कोई क्राइटेरियन उस ने तय किया है कि लागत मूल्य के आधार पर कितने प्रतिशत ड्यूटी उस पर लगाई जायेगी ?

श्री शाहनवाज खां : इस मसले पर काफी डिटेल से पार्लियामेंट में बहस हो चुकी है कि क्या क्या उसूल हैं जिन को सामने रख कर हम किमतें मुकर्रर करते हैं। शाह कमेटी की रिपोर्ट भी है। मोटे तौर पर यह है कि चूंकि डीजल आम ट्रांसपोर्टेशन के काम में आता है, खेती के काम में ज्यादा इस्तेमाल होता है इस वास्ते इसकी कीमतें न बढ़ाई जाएं, इनको कम रखा जाए। पैट्रोल ऐसी चीज है जिस को बचाने से हम नेफ्था बचा सकते हैं और उससे फर्टिलाइजर की पैदावार बढ़ती है। इसलिए हमारी यही कोशिश है कि पेट्रोल की कीमत को बढ़ा दिया जाए ताकि लोग उसका कम इस्तेमाल करें और हमें नेफ्था फर्टिलाइजर बनाने के लिए ज्यादा मयस्सर हों।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : मैंने पूछा था कि क्या कुछ क्राइटीरिया है। आपने पैट्रोल के बारे में बता दिया है कि नेफ्था के लिए पैट्रोल की बचत होनी चाहिए। चुनाव में जिस ढंग से हैलीकौप्टर उड़ाए गए उससे नहीं लगता कि पैट्रोल की आप बचत करना चाहते हैं। जहां तक केरोसीन का सवाल है आपने वक्तव्य में बताया है कि 46 परसेंट ड्यूटी को बढ़ा कर आपने 47 परसेंट कर दिया है। एक परसेंट इसका बढ़ा दिया गया है। आप कैसे कहते हैं कि हम कोशिश कर रहे हैं कि लोगों को यह सस्ता मिले। आपने एक प्रश्न के जवाब में पिछले दिनों कहा था कि कैरोसीन की डीजल में मिलावट होती है इस वास्ते हमने कैरोसीन के दाम बढ़ा दिए हैं आज की स्टेटमेंट में वे दाम बिल्कुल एक हैं यानी कैरोसीन का दाम भी एक रुपया और डीजल का भी एक रुपया। फिर आपने कहा कि हम कैरोसीन को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों को जो डीजल चाहिए होता है और आप छोटे आदमी को जो केरोसीन चाहिए होता है उसके लिए मैं जानना चाहता हूं कि उनको कार्ड देने में क्या कठिनाई है। आपने कहा है कि कटौती इन में करने का आपका कोई विचार नहीं है। कैरोसीन के दाम घटा कर और वह लोगों को सस्ता मिले इस के वास्ते उनको कार्ड देने की क्या आप व्यवस्था करेंगे ?

श्री शाहनवाज खां : अगर डीजल और कैरोसीन के बीच में हमें चुनना हो कि किस की पैदावार को हमें ज्यादा बढाना है, किस को ज्यादा अहमियत देनी है तो मैं अर्ज करना चाहता हूं कि डीजल को हमें ज्यादा अहमियत देनी होगी । इसलिए हमने कैरोसीन की प्रोडक्शन का कम करके उसी तनासुब से डीजल की पैदावार को बढाया है। यह इस वास्ते किया गया है ताकि डीजल की कमी न हो और अगर कैरोसीन की थोडी बहुत कमी गावों में हो तो उसको हम लोग बरदाश्त कर सकते हैं।

कार्ड के बारे में उन्होंने कहा है। मैंने खुद दौरा किया है और देखा है कि ब्लाक डिवेलपमेंट आफिसर्स ने जो किसान हैं उनको कार्ड बना कर दे दिए है। उत्तर प्रदेश में पंजाब में हरियाणा में जहा ज्यादा लोग ट्रैक्टर इस्तमाल करते है जहा पम्पो का ज्यादा इस्तमाल होता है वहा कार्ड बना कर दे दिए हैं। वैस्टर्न यू० पी० में सौ लिटर एक पम्प के लिए और तीन सौ लिटर हर ट्रैक्टर के लिए कार्डों के आधार पर जो बी० डी० ओज ने बना कर दिए, डीजल दिया जाता है। किसान कार्ड ले कर पम्पो पर जाते हैं और वहा से उनको डीजल मिल जाता है। मैं मानता हूं कि डीजल को कही कही तकलीफ महसूस हो रही है। कमी की रिपोर्टें हमारे पास आ रही है। लेकिन हम कोशिश कर रहे है कि उसका भी कोई हल जल्दी से जल्दी निकाल सके।

श्री जगन्नाथ राव जोशी कैरोसीन और डीजल की कीमतें घटाने का कोई विचार है ?

श्री शाहनवाज खां। अभी कोई विचार नही है

श्री नाथूराम अहिरवार : मंत्री ने बताया है कि जो कार्ड बांटे गए है उनके अधीन एक सौ सौ लिटर महीने का उनको डीजल मिलता है। मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि झांसी जिले में डीजल हर महीने पाच लीटर से ज्यादा नही दिया जाता है। क्या वह इसकी जांच करवाएंगे ?

श्री शाहनवाज खां : पाच लिटर हर रोज का होगा।

श्री नाथूराम अहिरवार : तीन रुपये आने जाने में खर्च करे और पाच लिटर डीजल लें यह कैसे हो सकता है । महीने का मिलना है ।

श्री भान सिंह भौरा : आपने कहा है कि डीजल की पैदावार आप बढा रहे है। आपने यह भी कहा है कि सौ लिटर कार्ड पर दिया जाता है। पंजाब में शायद 20 लिटर मिलता है । लेकिन जा कर आप देखें कि कार्ड ले कर लोग जाते है और आठ आठ दिन पैट्रोल पम्पस पर लोग बैठे रहते है लेकिन उनको डीजल नही मिलता है। इसके लिए आप क्या कर रहे है ?

श्री शाहनवाज खां : हम रेलवे से प्रार्थना कर रहे हैं कि वह जल्दी से जल्दी वैगन चलाए और डाजल को मंजिले मकसूद तक पहुंचाए। कभी कभी रेलवे की हडताल की वजह से वैगंज के मूवमेंट में जरा दिक्कत आ जाती है —

श्री मान सिंह भौरा : वहा फसलें तबाह हो रही है। कब तक आप इसका इन्तजाम कर देंगे ।

श्री शाहनवाज खां : कोशिश कर रहे है कि रेल मंत्रालय इस काम में जल्दी लाए। हमने उन से इस बारे में प्रार्थना की है।

श्री हुकम चन्द कछवाय रेल मंत्री ने आपकी प्रार्थना स्वीकार कर ली है क्या ?

श्री शाहनवाज खां : कर ली है।

श्री राज सूरत अलाव : आपने कहा है कि पैट्रोल की खपत को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाई गई हैं। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसा करने से कितने प्रतिशत पैट्रोल के कंजम्पशन में कमी आई है ?

आपने कहा है कि उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों में कार्ड दे दिए गए हैं डीजल आयल के लिए। उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में कार्ड नहीं दिए गए हैं। क्या इसकी भी जांच करा कर ऐसी व्यवस्था आप करेंगे कि वहां भी कार्ड दे दिए जाएं ?

श्री शाहनवाज खां : खपत में कमी का एक्जक्ट अंदाजा लगाना कठिन है। लेकिन हमारा एक अंदाजा यह है कि 15 से 20 परसेंट तक पैट्रोल के इस्तेमाल में कमी आई है कीमतें बढ़ने की वजह से।

कार्ड वेस्टर्न यू० पी० में हो गए हैं। अगर ईस्टर्न यू० पी० में अभी तक नहीं बने तो मैं स्टेट गवर्नमेंट की तवज्जह इस तरफ दिलाऊंगा

SHRI INDRAJIT GUPTA: Last November, an excise duty of Rs. 1 per litre on motor spirit was imposed. Then I think a commitment was made in the House that the amount realised from this particular excise duty would be earmarked for the improvement of urban transport in the big metropolitan cities. Was this taken into consideration when the different Ministries co-ordinated their views on the fixing of the price? What has been done about it?

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: It is the constant endeavour of Government to improve....

SHRI INDRAJIT GUPTA: That I know. I want to know whether this money realised out of the Re. 1 excise duty on every litre of motor spirit imposed last November is going to be allotted specifically for the improvement of public transport in cities like Calcutta and others.

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: This should be one of the charges. I would only like to point out here that when a sum of Rs. 200 crores was required for meeting our requirements of petrol and petroleum products, now for the same quantity we require about Rs. 1300 crores. We have to find the additional money somehow or other. I fully appreciate that the improvement of the urban transport is necessary and that is receiving the constant attention of Government.

MR. SPEAKER: I think that is not immediately relevant to the main question. Next question; Mr. Unnikrishnan.

Central and State Government dues from FACT

*447. SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: SHRI RAMACHANDRAN KADANNAPPALLI:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) the total amount of dues payable by the Fertilisers and Chemicals Travancore Limited at the end of the accounting year 1972-73 to different State and Central Goernment agencies as well as other public sector undertakings and the broad outlines of each case;

(b) whether some of these dues have not been included in the balance sheet and profit and loss account of the Company for the year 1972-73; and

(c) if so, the reasons therefor and the total loss of the Company for the year 1972-73 after adding all these dues?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) A statement giving the required information is laid on the Table of the House.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise